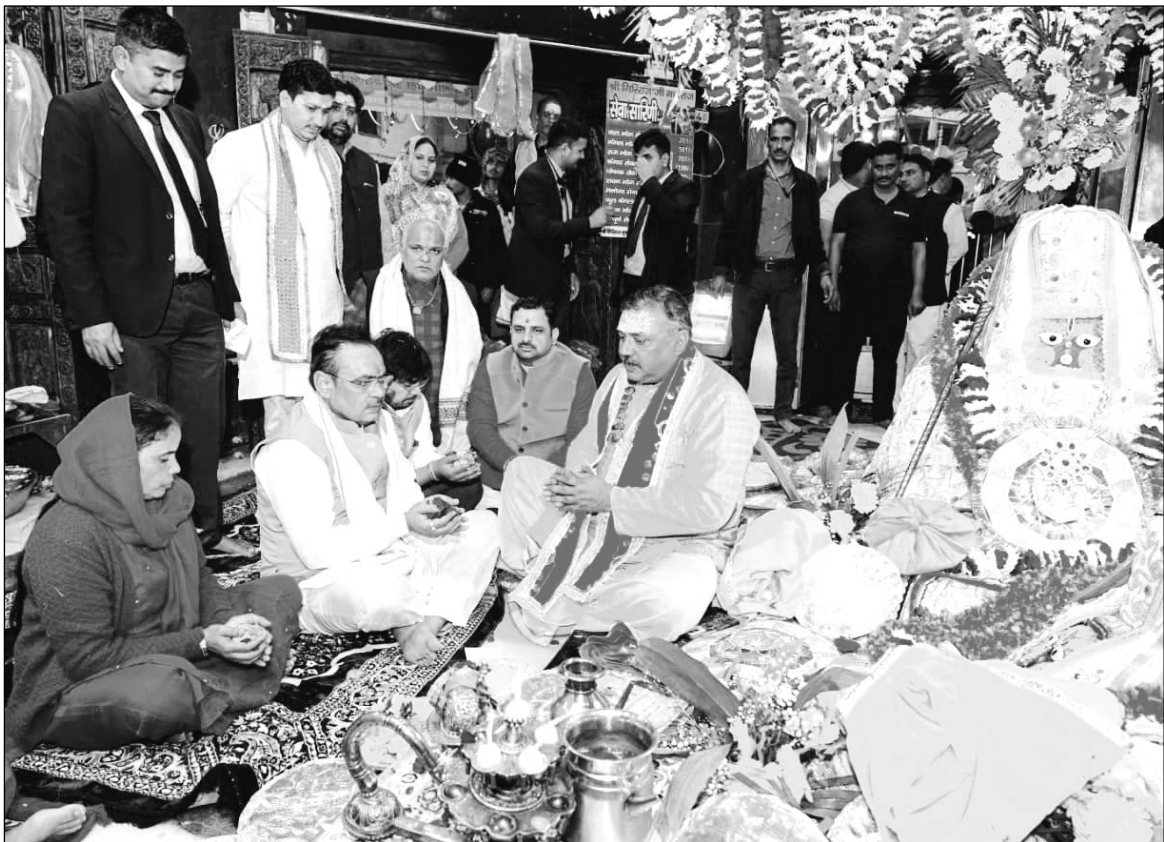




मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सपरिवार डीग स्थित श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर से गोवर्धन पर्वत की लगभग 21 किलोमीटर की सप्तकोसीय परिक्रमा पूरी की। मुख्यमंत्री ने अन्य श्रद्धालुओं की तरह ‘पांच दंडवती’ (साष्टांग प्रणाम) लगाकर सप्तकोसीय परिक्रमा प्रारंभ की। इस दौरान उन्होंने मुखारविंद, मानसी गंगा एवं दानघाटी मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना की। परिक्रमा के दौरान स्थानीय नागरिकों, साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया।

भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि भारत में इस घटक (साइट) का प्रयोग सामान्य रूप से दर्द और बुखार में होता है। इसके उच्च खुराक के सेवन से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। यह सलाह स्वास्थ्य विशेषज्ञों की उन चिंताओं के बाद आयी, जिनमें रोगियों में लीवर को नुकसान पहुंचने की आशंका जतायी गयी थी। चिंताओं में चेतावनी दी गयी थी कि कुछ मामलों में यह घातक हो सकती है। भारतीय औषधि नियामक (सीडीएससीओ) ने भी केंद्र के फैसले का समर्थन किया है।

यह निर्णय हमारे देश में गिद्धों की घटती आबादी को लेकर पर्यावरणीय चिंताओं से पैदा हुआ। पैनल ने चेतावनी दी कि निमेषुलाइड गिद्धों के लिए खतरनाक है। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान ने संयुक्त रूप से पक्षियों की आबादी में ड्रग की सुरक्षा रिपोर्ट का परीक्षण करने के लिए अध्ययन किया। रिपोर्टों से पता चला कि जिन गिद्धों को निमेषुलाइड दी गयी, वे दवा देने के 24 घंटे के भीतर मर गये।

अजित पवार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है। इस सूची में मलिक परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं - मलिक के भाई कप्तान मलिक वार्ड नंबर 165 से, उनकी बहन डॉ. सईदा मलिक वार्ड नंबर 168 से और भतीजी बुशरा मलिक वार्ड नंबर 170 से चुनाव लड़ेंगी। मलिक परिवार कुर्ला-अणुशक्ति नगर क्षेत्र में प्रभावी है।

उल्लेखनीय है कि मलिक को 23 फरवरी 2022 को एम्फोसमेंट डायरेक्ट्रेट (ईडी) ने फ़िवेक्सन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी पाकिस्तान स्थित अंडरवर्ल्ड डॉन और 1993 के सीरियल बम विस्फोटों के मास्टरमाइंड दाऊद इब्राहीम की

गतिविधियों से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच से संबंधित थी। प्रवर्तन निदेशालय ने मलिक पर कुर्ला दाऊद इब्राहीम की गवाला बिलिंगों की संपत्ति खरीदने का आरोप लगाया था। संपत्ति की पावर ऑफ़ अटॉर्नी सरदार शाह वली खान, जो 1993 के बम धमाके मामले में सजा काट रहा है, और सलीम पटेल, जो दाऊद इब्राहीम की स्व. बहन हसीना पार्कर का प्रतिनिधि था, के नाम थी। ईडी का मामला एनआईए द्वारा दाऊद इब्राहीम-मनी लार्डर्डिंग मामले में दर्ज एफआईआर के बाद आया था। 11 अगस्त 2023 को, सुप्रीम कोर्ट ने मलिक को मैडिकल ग्राउण्ड पर जमानत दे दी थी, और तीन दिन बाद, उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी।

‘यूक्रेन, रूस का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और क्षेत्र बढ़ना चाहिए और रूस खुद को साम्राज्य मानता है।"यह चेतावनी क्रेमलिन की बढ़ती विद्रोही बयानबाजी के बीच आई है। अपने वार्षिक टेलीविजन प्रश्नोत्तर सत्र में, पुतिन ने आगे सैन्य कार्रवाई से इनकार करने से मना कर दिया और कहा कि बीबीसी रूस केकेवल तभी तनाव को बढ़ने से रोकगा, यदि पश्चिम "सम्मान" दिखाएँ और माँस्को के हितों को स्वीकार करे। उन्होंने फिर से नाटो के पूर्वी विस्तार को एक विवाद का कारण बताया और पश्चिमी शक्तियों पर धोखाधड़ी और उकसावे का आरोप लगाया। पुतिन ने यूरोपीय नेताओं पर भी दोष मढ़ते हुए

कहा कि उन्होंने "यह स्थिति खुद बनाई है" और जानबूझकर रूस के साथ युद्ध के डर को बढ़ावा दे रहे हैं। पहले के बयान में, उन्होंने यूरोपीय संघ के नेताओं को अवसरवादी बताते हुए कहा कि वे रूस के पतन से लाभ उठाने के लिए इंतजार कर रहे हैं। शांति वार्ताओं के उठप होने, सैन्य योजनाओं के तेजी से लागू होने और परमाणु-संभावित तनावों के बीच, बुडानोव का मूल्यांकन एक गंभीर संभावना को उजागर करता है कि यूक्रेन अंततः खेल का अंत नहीं हो सकता, बल्कि एक बहुत बड़े संघर्ष की शुरुआत भी हो सकता है, जो दुनिया को 1945 के बाद के सबसे खतरनाक युद्ध में खींच सकता है।

सरकार ने वोडाफोन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थन, नए पूंजी निवेश और परिचालन प्रदर्शन में सुधार पर निर्भर है। कुछ हिस्सेदारों को उम्मीद थी कि कैबिनेट एजीआर कर्ज का एक हिस्सा या पूरी राशि माफ कर सकती है। इसके बजाय, सरकार ने मोरेटोरियम का विकल्प चुना, जो कंपनी को अपने संचालन को स्थिर करने के लिए समय देने वाला कदम माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, फ्रीज किए गए कर्ज का पुनर्मूल्यांकन एक समिति द्वारा ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा और समिति का निर्णय दोनों पक्षों पर बाध्यकारी होगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि कैबिनेट के फैसले सरकार के हितों

राजकीय सम्मान के साथ खालिदा

ज़िया का अंतिम संस्कार

विदेश मंत्री जयशंकर ने रहमान को प्र.मंत्री मोदी का संवेदना पत्र दिया

■ **बेगम ज़िया की सुपुर्द-ए-खाक रस्म म कुछ ही लोगों को मौजूद रहने की इजाज़त दी गई थी। भारत तथा एशिया के कुछ अन्य देशों के प्रतिनिधि खालिदा ज़िया की अंतिम यात्रा में मौजूद थे।**

माणिक मिया एवैन्यू पर जनाजे की नमाज पढ़ायी। बेगम ज़िया के दफन में शामिल होने की कुछ चुनिन्दा लोगों को

ही इजाज़त थी। इसमें उनके परिवार के सदस्य, वरिष्ठ राज्य अधिकारी, सरकारी अधिकारी, विदेशी मेहमान, राजनयिक और बीएनपी के वरिष्ठ राजनेता मौजूद थे। उनके दफन में मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस, चुनिंदा बीएनपी नेता, अन्य राजनीतिक पार्टियों के नेता और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए। पूर्व प्रधानमंत्री के आखिरी सफर में भारत, पाकिस्तान, दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के प्रतिनिधि और अन्य विदेशी गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। इससे पहले जयशंकर ने बेगम खालिदा ज़िया के पुत्र तारिक रहमान से निजी रूप से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा।

इंदौर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूषित पानी पीने से 12 लोगों की मौत के मामले में हाई कोर्ट में बुधवार को जनहित याचिका दायर की गई, जिसकी सुनवाई के बाद कोर्ट ने 2 जनवरी तक स्टेटस रिपोर्ट प्रशासन से मांगी है।

जहरीले पानी के मामले में जनहित याचिका वकील रितेश इनानी ने दायर की है। एक अन्य याचिका पूर्व पार्षद महेश गार्ग और प्रमोद द्विवेदी ने दायर की है। एडवोकेट द्वारा दायर याचिका में इसमें दोषी अफसर के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि आम आदमी को जान के साथ अफसरों ने लापरवाही की। मामले के दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। कोर्ट ने सरकार से इस मामले की 2 जनवरी तक स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा है। एडवोकेट इनानी ने बताया कि कोर्ट ने पीछितों का निशुल्क इलाज करने के निर्देश भी दिए हैं।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दरअसल ममता की रणनीति का एक मुख्य आधार ही कांग्रेस को तोड़कर अपनी पार्टी को मजबूत करना था, क्योंकि वे खुद भी कभी कांग्रेस में थीं और युवा नेता के रूप में उन्हें राजीव गांधी का विशेष समर्थन मिला था। ये राजीव गांधी ही थे, जिन्होंने उन्हें पहली बार विदेश यात्रा पर भेजा था, जिसका जिक्र वे बाद में करती रहीं।

लेकिन जब उन्होंने अपनी नई पार्टी बनाई तो उन्होंने अपने मातृ संगठन से अलग होकर, कांग्रेस को तोड़कर, अपना संगठन खड़ा किया। अब, जबकि कांग्रेस लगभग मिट चुकी है, तो ममता ने कांग्रेस के वोट बैंक को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किया, खासकर मुसलमानों के बीच।

इस रणनीति के तहत, ममता ने कई बार हद्दें पार कर दीं। कांग्रेस को हराने के बाद उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती वाम दलों, खासकर सीपीआई (एम), के मुस्लिम समर्थकों को अपने पाले में लाने की थी, जिसमें वह काफी हद तक सफल भी रहीं।

उनके कई अग्रिम पंक्ति के लड़ाके सीपीआई (एम) से आए हुए लोग थे, वे टूटकर आए थे, लेकिन बाद में वही लोग उनके लिए बोझ बन गए और उन्हें उनसे दूरी बनानी पड़ी। मुसलमानों को अपनी पार्टी में बड़ी संख्या में लाने के बाद अब उन्हें उनका फायदा नहीं मिल रहा, जितना पहले मिल रहा था।

उनके अधीन कई मुस्लिम नेता

दिल्ली ने सबसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डिग्री से ज्यादा की गिरावट देखी गयी। इस वजह से मौसम विभाग ने बुधवार के लिए ‘कोल्ड डे’ की चेतावनी जारी की।

दिनभर आसमान में घने बादल छाये रहे और धूप नहीं निकलने से ठंड और ज्यादा

सेवाकाल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेवा की गणना भी उसी दिन से होनी चाहिए थी। राज्य सरकार की मनमानी से उसे सेवा परिलाभ देरी सेदिए गए और इस कारण वह अपने साथी शिक्षकों से पिछड़ गई। इसलिए उसकी प्रश्न नियुक्ति लिथि से ही

अजिताभ शर्मा, आलोक गुप्ता, दिनेश कुमार, राजेश यादव अतिरिक्त मुख्य सचिव बने

राज्य सरकार ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 61 आईएसएस अधिकारियों की पदोन्नति की



आईएसएस अजिताभ शर्मा

जयपुर, 31 दिसंबर (कासं)। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के 1996 बैच के चार वरिष्ठ अधिकारी, अजिताभ शर्मा, आलोक गुप्ता, दिनेश कुमार और राजेश कुमार यादव को राज्य सरकार ने पदोन्नति देकर अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया है। उन्हें “अबोव सुपरटाइम वेतन श्रृंखला” से मुख्य सचिव वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है। राज्य सरकार ने 31 दिसंबर को आदेश जारी कर राजस्थान के 61 आई.ए.एस. अधिकारियों को पदोन्नति दी है।

इसी प्रकार वर्ष 2001 बैच के आई.ए.एस. नवीन जैन और कृष्णकांत पाठक (केके पाठक) को सचिव से प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नति दी गई है। इन्हें सुपर टाइम से अबोव सुपर टाइम वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है।

इसी प्रकार वर्ष 2010 बैच के 11 आईएसएस को चयन वेतन श्रृंखला से सुपरटाइम वेतन श्रृंखला में प्रमोशन दिया गया है। इनमें जयपुर कलेक्टर जितेन्द्र सोनी, प्रकाश राजपुरोहित, इंद्रजीत सिंह, नेहा गिरी, विक्म मोहन शर्मा, कन्हैयालाल स्वामी, नलिनी कटोतिया, राजेन्द्र विजय, शक्ति सिंह राठीड़, प्रज्ञा केवलरमानी और महावीर प्रसाद शामिल हैं।

इसी तरह वर्ष 2013 के बैच के 22 आईएसएस अफसरों को आईएसएस की जुनियर स्केल से सिलेक्शन स्केल में प्रमोट किया गया है। इनमें आशीष गुप्ता, नथमल डिडेल, नम्रता वृणिण, कानाराम, अंशदीप, आलोक रंजन,



आईएसएस आलोक गुप्ता



आईएसएस के के पाठक

निकया गोहाएन, अरविंद कुमार पोसवाल, प्रदीप के. गवंडे, महावीर प्रसाद मीणा, खजान सिंह, डॉ. रश्मि शर्मा, लक्ष्मी नारायण मंत्री, इकबाल खान, कल्पना अग्रवाल, डॉ. मनीषा अरोड़ा, पुष्पा सत्यानी, पुखराज सेन, श्रुति भारद्वाज, अरुण कुमार पुरोहित, मुकुल शर्मा और अजय सिंह राठीड़ शामिल हैं।

इसी तरह वर्ष 2017 बैच के 10 आई.ए.एस. अधिकारियों को आईएसएस की वरिष्ठ वेतन श्रृंखला से कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला (लैवल 12) में पदोन्नत किया है। इनमें उत्सव कौशल, डॉ. गौरव सैनी, श्वेता चौहान, अवधेश मीणा, देवेन्द्र कुमार, सुशील कुमार, अक्षय गोदारा, श्रीनिधि बी.टी, डॉ. सोन्या झा और डॉ. महेन्द्र खड़गावत शामिल हैं।

इसी प्रकार वर्ष 2022 बैच के 12 आई.ए.एस. अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा की कनिष्ठ वेतन श्रृंखला से वरिष्ठ वेतन श्रृंखला में पदोन्नति दी गई है। इनमें यश चौधरी,



आईएसएस दिनेश कुमार



आईएसएस नवीन जैन

प्रोतम कुमार, यशार्थ शेखर, डॉ. अंशु प्रिया, सक्षम गोयल, दिव्यांश सिंह, श्रद्धा गोमे, मोहित कासनिया, भैसारें शुभम अशोक, सोनिका कुमारी, श्रेष्ठा श्री और वारू शामिल हैं।

राज्य सरकार ने इसी आदेश में 7 अधिकारियों को पदोन्नत करके यथावत कार्यभार भी सौंपा है। आदेश के मुताबिक, अजिताभ शर्मा को अतिरिक्त मुख्य सचिव, ऊर्जा विभाग, दिनेश कुमार को अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय, जन अभियोग, निराकरण, मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग का जिम्मा सौंपा है। इसी प्रकार राजेश कुमार यादव को महानिदेशक, हरीशचंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक सशासन संस्थान एवं पदेन अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रशिक्षण राजस्थान की जिम्मेदारी सौंपी है।

इसी तह नवीन जैन को प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय, संपदा, स्टेट मोटर गैराज एवं नागरिक उड्डयन विभाग एवं पदेन चीफ ऑफ प्रोटोकॉल

‘ऑपरेशन सिंदूर में मध्यस्थता पर चीन का दावा भारत के साथ मज़ाक’

■ **कांग्रेस ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को इसके लिए जवाब देना चाहिए**

राष्ट्रपति ट्रम्प पहले ही बार-बार दावे कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान पर आयात शुल्क का दर दिखाकर दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) के बीच संघर्ष को रुकवाया था और अब चीन भी दावा कर रहा है और इस पर मोदी की चुप्पी बेहद परेशान करने वाली है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इस बारे में चार जुलाई को उप सैनायथ्स लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने सार्वजनिक रूप से

नयी दिल्ली, 31 दिसंबर। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के बाद अब चीन दावा कर रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच इस साल हुए सैन्य कार्रवाई में उसकी मध्यस्थता से अचानक ऑपरेशन सिन्दूर रोक़ा गया था। पार्टी ने इसे भारत के साथ मज़ाक करार दिया और कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर सरकार ने जो कुछ बताया, ये दावे उसके विपरीत है और इस तरह के दावे देश की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसका जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को चीन के दावों को चिंताजनक बताते हुए कहा कि

कहा, ”ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान भारत असल में चीन का सामना कर रहा था और उससे लड़ था। चूंकि चीन निर्णायक रूप से पाकिस्तान के साथ खड़ा था, ऐसे में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के चीन के दावे चिंताजनक हैं और यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वे देश की जनता को दी गई जानकारी के उलट हैं, बल्कि इसलिए भी कि वे हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मज़ाक बनाते प्रतीत होते हैं।” कांग्रेस नेता ने कहा, ”इस दावे को चीन के साथ हमारे संबंधों के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए, क्योंकि भारत ने चीन से बातचीत शुरू कर दी है, लेकिन दुर्भाग्य से बातचीत चीन के शर्तों पर हो रही है।

संघ की मदद ...

पहले ही दीघा में, जो ओडिशा सीमा के पास बंगाल का प्रसिद्ध समुद्री तट है, एक भव्य जगन्नाथ मंदिर बनवाया है। इस मंदिर की संरचना काफी हद तक पुरी के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर जैसी है। तथापि, कोई भी यह नहीं मानता कि यह मंदिर पुरी के मूल मंदिर की बराबरी कर सकता है। ममता ने दीघा के इस मंदिर का प्रबंधन इस्कोंन को सौंप दिया है। लेकिन इतना ही नहीं, आगे भी वो बहुत कुछ कर रही हैं।

कल ही उन्होंने राज्य के पॉश न्यू टाउन इलाके में “दुर्गागन” परियोजना का शिलान्यास किया। बंगाल में दुर्गा से जुड़ी हर चीज का गहरा भावनात्मक असर होता है और अब उन्होंने हिंदुओं को आकर्षित करने के लिए दुर्गा मंदिर और पार्क की इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की है।

लेकिन यह कार्यक्रम कई तरह के विवाद में फंस गया है। दुर्गा मंदिर के लिए चुनी गई जमीन को मुसलमानों की जमीन बताया गया और मुसलमानों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दी, जिसके बाद अदालत ने निर्माण पर रोक लगा दी और आनन-फ़ानन में मंदिर स्थल बदलना पड़ा।

निश्चित रूप से यही उनका चुनावी रणनीति का अंत नहीं हो सकता। वे इस समय दो नावों पर सवार हैं, जो लगभग असंभव काम हैं। लेकिन उनका राजनीतिक कौशल दूसरे सभी खिलाड़ियों की मिली-पुली संपूर्ण काबिलियत से कहीं ज्यादा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तराधिकारी के सवाल पर चुपचाप बहस चल रही है। नायडू का नाम अब, कम से कम एक काल्पनिक विकल्प के रूप में, अनौपचारिक चर्चाओं में उभरने लगा है।

नायडू के करीबी सूत्रों का कहना है कि वे भाजपा-आरएसएस पारिस्थितिकी तंत्र में हो रहे मंथन पर बारीकी से नज़र रखे हुए हैं। उनके एक साथी ने कहा, “सभी विकल्प खुले हैं” और बताया कि अगर परिस्थितियाँ अनुकूल रहें, तो नायडू एक बड़ी राष्ट्रीय भूमिका निभाने से परहेज नहीं करेंगे। भाजपा के कुछ अंदरूनी सूत्र, सतर्कता के साथ, कहते हैं कि यदि पार्टी एक संक्रमणकालीन या आम सहमति वाले नेता की तलाश करती है, तो नायडू के नाम पर एक अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में विचार किया जा सकता है, ताकि भाजपा को दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिल सके।

फिलहाल, यह सब केवल अनुमान है, न कि ठोस योजनाएं। फिर भी, राजनीति में, धारणाएं अक्सर वास्तविकता से पहले आती हैं। आरएसएस की ओर बढ़ रहे नायडू के कदमों, और भाजपा के आंतरिक असंतोष की वजह से आंध्र प्रदेश के नेता एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा का हिस्सा बन गए हैं, इस बार संघ से उनकी निकटता का असर आंध्र प्रदेश से कहीं आगे तक जाएगा।